तेज रफ्तार इनोवा कार ने बुलेट बाइक को टक्कर मारी; युवक की मौत, साथी घायल

भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही बाइक की टंकी में आग लग गई, जिसमें दोनों वाहन जल गए

जयपुर में मोतीडूंगरी रोड पर गणेश मंदिर चौराहे पर हुए हादसे में क्षतिग्रस्त बाइक और कार।

- **मोतीडूंगरी चौराहे पर सोमवार अलसुबह 3 बजे हुआ हादसा, पुलिस मामले की जांच में जुटी**

जयपुर (कासं)। राजधानी की मोतीडूंगरी रोड पर सोमवार अलसुबह तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। टैक्सी इनोवा कार ने गणेश मंदिर चौराहे पर बुलेट बाइक पर सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि टक्कर के बाद बाइक की पेट्रोल टंकी में तुरंत आग लग गई। इसके बाद दोनों वाहन धूं-धूं कर जल गए। हादसे में बाइक सवार एक एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथ अस्पताल में जिंदगी-मौत से संघर्ष कर रहा है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर युवक का शव परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू की है।

पुलिस ने बताया यह हादसा सोमवार अलसुबह 3 बजकर 5 मिनट पर गणेश मंदिर चौराहे पर हुआ। तेज रफ्तार इनोवा कार तख़्तेशाही रोड की तरफ से आ रही थी, जबकि बुलेट बाइक पर सवार दो एमबीबीएस छात्र जेडीए सर्किल की तरफ से एसएमएस मेडिकल कॉलेज की तरफ जा रहे थे। इस दौरान गणेश मंदिर चौराहे पर तेज रफ्तार में इनोवा कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के पेट्रोल टैंक में आग लग गई, जिसने इनोवा को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार दोनों युवकों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां सुबह करीब 8 बजे इलाज के दौरान विजय चौधरी (22) पुत्र बाबूलाल चौधरी निवासी साहिबरामपुरा, कालाडेरा की सिर में गंभीर चोट और झुलसने के कारण मौत हो गई। उसका साथी मृगांक राणा (21) पुत्र विकास निवासी भरतपुर का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके सिर में गंभीर चोट और पैर में फ्रैक्चर हुआ है।

पुलिस के मुताबिक बाइक को टक्कर मारने वाली इनोवा कार राजस्थान टूर एंड ट्रैवल्स कंपनी की है, जो कि रात को अपने स्टाफ को घर छोड़कर आ रही थी। घटना के वक्त कार में 3-4 लोग सवार थे, जो कि स्थानीय लोगों के आने पर मौके से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक मृतक विजय चौधरी और घायल मृगांक एसएमएस मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे है, जो कि द्वितीय वर्ष के स्टूडेंट है।

बताया जा रहा है वह रात को अपने दोस्तों से मिलकर हॉस्टल लौट रहे थे। इस दौरान गणेश मंदिर चौराहे पर हादसा हो गया।

छह दिन बाद नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ के नीचे आई

राज्य में सोमवार को 97 नए संक्रमित मिले, इससे पहले रविवार को 161 रोगी पाए गए थे

- **राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 41 नए मरीज मिले हैं।**
- **प्रदेश में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में छह दिन बाद सोमवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ के नीचे आ गई है। इसके चलते राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 97 नए संक्रमित मिले हैं। हालांकि, एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं।

प्रदेश में सोमवार को 13 जिलों में 97 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 161 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 41 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अजमेर में 16, जोधपुर में 12, सिरोही में 8, उदयपुर में 7, बीकानेर में 6 तथा टोंक, नागौर, अलवर, बांसवाड़ा, दौसा, गंगानगर और हनुमानगढ़ में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 20 जिलों बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, धौलपुर, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर और सीकर में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में सोमवार को भी रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 75 मरीज ठीक हुए हैं। वहीं एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 336 मामले जयपुर में है। राज्य में पिछले चौबीस घंटे में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि, प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9563 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में सोमवार को सबसे ज्यादा 7 नए संक्रमित मालवीय नगर में पाए गए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 4, बजाज नगर और मोती डूंगरी रोड पर 3-3, दुर्गापुरा, गांधी नगर, जगतपुरा, झोटवाडा, खातीपुरा, सांगानेर और सोडाला में 2-2 तथा आमेर, बापूनगर, सी-स्कीम, चांदपोल, सिविल लाइंस, जवाहर नगर, मानसरोवर, शास्त्री नगर और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 33 रोगी ठीक हुए हैं।

राज्य में 309 कोविड से मृतक राजकीय कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ की मदद

- **सभी विभाग इन मामलों में सहानुभूति पूर्वक विचार करें : डॉ. पृथ्वी**

जयपुर, (का.सं.)। राजकीय सेवा से सम्बद्ध कोविड मृतक कार्मिकों के आश्रितों को सहायता राशि उपलब्ध करवाने के संबंध में सोमवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोविड से मृतक राजकीय कार्मिकों के आश्रितों को सहायता राशि दिलवाने के बकाया मामलों में सहानुभूतिपूर्वक विचार करें।

डॉ. पृथ्वी ने कहा कि ये सभी कार्मिक सीधे तौर पर कोविड प्रबंधन से जुड़े हुए थे और उन्होंने लोगों को बचाने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं करते हुए राजकीय कर्त्तव्य का पालन किया। अब हमारा फर्ज बनता है कि हम उनके आश्रितों को सहायता राशि दिलवायें।

उन्होंने कहा कि बकाया प्रकरणों में जहां दस्तावेजों की औपचारिकता बाकी है वहां संबंधित विभाग आगे बढ़कर दस्तावेजों को पूरा करवाये और मृतक के आश्रितों को राहत प्रदान करें। उन्होंने आगामी 10 दिवस में बकाया प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश प्रदान किए।

राज्य में कोविड से मृतक 309 कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि अब तक दी जा चुकी है।

राज्य में राजकीय सेवा से सम्बद्ध 309 कोविड से मृतक कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि दिलवायी जा चुकी है। राजकीय सेवा से सम्बद्ध कोविड से मृतक के आश्रितों को 50-50 लाख रुपये की सहायता राशि सरकार की ओर से प्रदान की जा रही है।

पूनिया ने प्रधानमंत्री आवास योजना में बने मकानों का निरीक्षण किया

जयपुर। विधायक जनसंवाद कार्यक्रम के तहत भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने लगातार दूसरे दिन आमेर विधानसभा क्षेत्र में गांवों-ढाणियों में पहुंचकर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुनकर त्वरित निदान किया। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान ही सतीश पूनिया ने आमेर के चिताणु कलां गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना से बन रहे श्रीदेवी एवं ममता देवी के मकानों का निरीक्षण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार-अभिनंदन व्यक्त किया। पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान बनाने का अभियान नहीं है, यह गरीबों को घर प्रदान कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए हौसला प्रदान करने का ऐतिहासिक अभियान है। उन्होंने कहा कि मेरे आमेर परिवार के चिताणु कलां की बहन ममता देवी एवं श्रीदेवी को भी प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से बहुत ही सुंदर आवास मिले, इसके लिए आमेर विधानसभा क्षेत्र के लाभार्थियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मैं कृतज्ञ आभार प्रकट करता हूं।

मोदी सरकार के हर फैसले पर कांग्रेस का विरोध करना पुरानी आदत है : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेस द्वारा प्रदेशभर में किये जा रहे विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि युवाओं को कांग्रेस की क्रोनोलॉजी समझनी चाहिए कि पहले नोटबंदी, जीएसटी, तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून, जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाना और अब अग्निपथ योजना का विरोध यानी मोदी सरकार द्वारा देशहित में लिये गये हर ऐतिहासिक निर्णयों का बिना सोचे-समझे व राजनीतिक स्वार्थो की पूर्ति हेतु विरोध करना कांग्रेस की पुरानी आदत है।

राठौड़ ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा भारतीय सेना को मजबूत करने और युवाओं को सेना में अधिकाधिक अवसर देने के लिए लाई गई अग्निपथ योजना के विरोध में आज कांग्रेस पार्टी संघवाद की भावना के विपरीत प्रदेशभर में धरना-प्रदर्शन की नौटंकी करके राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगी है जो अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। इससे पहले विगत सप्ताह ही केन्द्रीय सूची के विषय सेना के संबंध में केन्द्र सरकार लिये गये निर्णय के विरोध में राज्य मंत्रिपरिषद अग्निपथ योजना को वापस लेने के संबंध में प्रस्ताव पारित करने का कुकृत्य भी कर चुकी है।

राठौड़ ने कहा कि सड़कों पर प्रदर्शन करने से पूर्व राज्य सरकार को यह बताना चाहिये कि 2 वर्ष पहले सदन में राजस्थान पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित करके राजस्थान पुलिस अधिनियम 2007 में संशोधन कर ग्राम रक्षकों के साथ भेदभाव एवं अन्याय क्यों किया था? जिसके माध्यम से कांग्रेस सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की मदद के लिए नियुक्त होने वाले ग्राम रक्षकों की पदावधि को 3 वर्ष से घटाकर 2 वर्ष किया था और साथ ही उनका मानदेय भी पूर्णतया समाप्त कर दिया था जबकि केन्द्र सरकार तो अग्निवीरों को वेतन सहित अन्य सभी सुविधाएं प्रदान कर रही है। राठौड़ ने कहा कि कभी राजभवन तो कभी गांधी की मूर्ति के सामने सर्वाधिक बार कांग्रेस पार्टी अपनी ही सरकार में विरोध-प्रदर्शन का अनूठा रिकॉर्ड बना रही है।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने सोमवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में अक्षय ऊर्जा निगम के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में रेन्यूएबल एनर्जी कॉरपोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन टी. रविकांत, एमडी अनिल ढाका, संयुक्त सचिव अतुल प्रकाश, विशेषाधिकारी नवीन शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सोलर पावर के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राजस्थान सौर ऊर्जा के उत्पादन में सिरमौर है। उन्होंने कहा कि रेगिस्तानी जिलों में क्षेत्र विस्तार कर किसानों को सौर ऊर्जा के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

शर्मा ने सोमवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में अक्षय ऊर्जा निगम के अधिकारियों के साथ अहम बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के जिलों में जहां किसी भी वजह से जमीन काम नहीं आ रही वहां के कृषकों को सोलर के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निजी कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर कर सोलर के क्षेत्र में कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में विगत वर्षों में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। उन्होंने इस मौके को पूर्णतया भुनाते हुए अधिक से अधिक सौर ऊर्जा के उत्पादन पर जोर दिया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान में रिन्यूएबल एनर्जी से 18 गीगाबाइट ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। निगम का लक्ष्य 2030 तक 90 गीगाबाइट ऊर्जा उत्पादन करना है। इस दौरान पवन, हाइब्रिड, बायोमास, स्मॉल हाइड्रो सहित कई वैकल्पिक माध्यमों से प्राप्त ऊर्जा के बारे में विस्तार से बताया गया।

शर्मा ने सौर ऊर्जा के साथ शहरों के लिए रूपटॉफ एनर्जी के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम व निगम समन्वय से रूपटॉफ एनर्जी के बारे में प्रचार प्रसार करे और एक नीति बनाकर आमजन को रूपटॉफ एनर्जी उपलब्ध कराए। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए उन्हें जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेन्यूएबल एनर्जी के उत्पादन और इस्तेमाल को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

आखिर कब आएगी बारिश : मानसून के आने में देरी पर देरी होती जा रही है। इंतजार लंबा होता जा रहा है। छाते बेचने वालों को भी बारिश का इंतजार है जिससे उनकी बिक्री भी तेजी से हो।

पायलट, गहलोत को कांटे की तरह चुभते हैं : कटारिया

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने पायलट और गजेंद्र सिंह शेखावत को लेकर दिए गए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत को सचिन पायलट एक कांटे की तरह चुभ रहा है। वो चाहते हैं कि किसी भी तरह से इस कांटे को निकालकर बाहर कर दें ताकि निरंकुश राज करने के लिए आगे के रास्ते खुल जाएं। लेकिन पार्टी आलाकमान भी पायलट के पब्लिक सपोर्ट को नकार नहीं सकता।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पायलट को निकम्मा, नकारा जाने क्या-क्या उपाधि दे दी, भड़ास भरी हुई है। शांति धारीवाल तो मुख्यमंत्री के सपोर्ट में ही खड़े हैं। पब्लिक सपोर्ट दृष्टि से गहलोत और धारीवाल में कोई दम नहीं है, लेकिन पायलट में आज भी दम है, जो आज भी कांग्रेस से बहुत बड़े वोटबैंक को जोड़े हुए हैं। कटारिया ने कहा कि पायलट को राजस्थान में एक समाज का बहुत बड़ा सपोर्ट था। जिसकी वजह से सरकार बनी है। पायलट मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट नहीं होते तो पूर्वी राजस्थान, जहां हमको एक सीट मिली, यह स्थिति नहीं बनती और हमारी सरकार 100 प्रतिशत बनती। जातीय समीकरण ने हमारी सरकार बनने में बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न की थी। उसे कोई नकार नहीं सकता। पायलट को भाजपा में लाने के प्रश्न पर कटारिया ने कहा कि जिसको आना होगा उसे विचार करना होगा। हम बिना पायलट के राजस्थान में पार्टी को सर्वाइव भी करेंगे और आगे भी बढ़ाएंगे। आने वाली सरकार भाजपा की बनेगी।

रेलवे पर आठ लाख रुपए का हर्जाना

जयपुर। रेलवे दावा अधिकरण की जयपुर पीठ ने ट्रेन से गिरने से यात्री की मौत के मामले में रेलवे पर आठ लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। अधिकरण ने उत्तर-पश्चिम रेलवे को कहा है कि वह हर्जाना राशि पर नौ फीसदी ब्याज भी अदा करे। अधिकरण ने यह आदेश तारो देवी व अन्य की क्लेम याचिका पर दिए।

क्लेम याचिका में कहा गया कि 20 फरवरी 2018 को टोडरमल ट्रेन से अलवर से खानपुर अहिरान जा रहा था। खानपुर अहिरान स्टेशन से पहले पहुंचकर ट्रेन रुक गई। वह उतरने के लिए जैसे ही कोच के गेट पर आया, ट्रेन झटके के साथ चलने लगी। जिसके चलते टोडरमल का संतुलन बिगड गया और वह नीचे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई।

आम सूचना मेरे अभिभाष्य अजय कुमार सिंगला पुत्र श्री दलीप चन्द सिंगला जाति अग्रवाल, निवासी ए-61, तेजाजी नगर, नजदीक हनुमान मंदिर, महेश नगर, जयपुर-302015 1. कि मेरे अभिभाष्य का छोटा पुत्र गणेश सिंगला आयु 26 वर्ष मेरे अभिभाष्य के कहने सुनने में नहीं है और आये दिन मेरे अभिभाष्य से व परिवार के अन्य सदस्यों से झगड़ा फसाद करता है। 2. कि मेरे अभिभाष्य के पुत्र का सामाजिक व्यवहार भी सही नहीं है इसलिये मेरा अभिभाष्य अपने पुत्र को अपनी समस्त ज्ञात व अज्ञात चल व अचल सम्पति से बेदखल करता है। 3. यह कि यदि मेरे अभिभाष्य के पुत्र से कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का लेनदेन या व्यवहार करता है उसकी समस्त जिम्मेवारी लेनदेन या व्यवहार करने वाले की होगी। अतः यह नोटिस हरखास व आम हेतु सूचनार्थ है।
मनीष कुमार, एडवोकेट, मो. 9829349467

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम शशांक पंचोली से बदलकर शशान्त पंचोली पुत्र श्री भैरव प्रसाद शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे शशान्त पंचोली के नाम से जाना पहचाना जावें। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही है। निवासी-ए-723 हरि मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर।

मैंने अपना नाम NAMEERA BANO से बदलकर NAMEERA NAAZ D/O ABDUL NAEEM रख लिया है भविष्य में मुझे NAMEERA NAAZ पता-194, नागतलाई, सूरजपोल, अनाज मंडी, जयपुर सिटी, जयपुर के नाम से जाना जाये।

मेरा नाम रमेश कुमार कारपेन्टर से बदलकर रमेश कुमार जांगिड के नाम से जाना जाए। एच-7, सुभाष नगर शोपिंग सेन्टर, जयपुर

आम सूचना व खण्डन सूचना दिनांक 22.12.2002

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे द्वारा दिनांक 22.12.2002 को ज्येष्ठ पुत्र सत्यनारायण गुप्ता एवं उसकी धर्मपत्नी रेणू गुप्ता के संबंध में अखबार दैनिक भास्कर में दी गई सूचना को अब हमारे द्वारा पूरे होश हवाश में व स्वतंत्र इच्छा से निरस्त की जाती है। उक्त दिनांक को प्रकाशित आम सूचना जो कि हमारे द्वारा गलत फहमी से प्रकाशित करवाई गई थी को निरस्त समझा जावे एवं हमारे ज्येष्ठ पुत्र-पुत्रवधु सत्यनारायण गुप्ता एवं रेणू गुप्ता को हमारी चल- अचल सम्पत्ति में एवं अन्य सामाजिक सम्पूर्ण अधिकार पूर्व की तरह हैं, रहेंगे तथा 22.12.2002 की अधिसूचना का खण्डन हम पति-पत्नी श्री कल्याण सहाय गुप्ता व श्रीमती कस्तूरी देवी गुप्ता करते हैं।
भवदीय, कल्याण सहाय गुप्ता (पिता) एवं कस्तूरी देवी गुप्ता (माता) निवासीः- बी-170, नित्यानन्द नगर, गांधी पथ, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 3699/22
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थीगण-
1 श्रीमती प्रेममलता पत्नी स्व. श्री रामसिंह, उम्र 60 वर्ष, जाति-धानका,
2 कुलदीप सिंह पुत्र स्व. श्री रामसिंह, उम्र 37 वर्ष, जाति धानका, निवासीयान-18, हरिनगर, सोफिया स्कूल केक सामने, घाटगेट बहार, जयपुर।
3 श्रीमती कल्पना पत्नी श्री दिनेश कुमार मौर्य पुत्री स्व. श्री रामसिंह, उम्र 42 वर्ष, जाति धानका, निवासी-146, अजमेर रोड, हथरोई बावडी, जयपुर।
4 श्रीमती ममता पत्नी श्री हरमेन्द्र सिंह पुत्री स्व. श्री रामसिंह
5 श्रीमती कोमल पत्नी श्री विजेन्द्र सिंह पुत्री स्व. श्री रामसिंह उम्र 36 वर्ष, जाति धानका, निवासीयान सी-27, अर्चना नगर, मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर।
6 श्रीमती दीपिका पत्नी श्री दीनबन्धु खर्रा पुत्री स्व. श्री रामसिंह उम्र 33 वर्ष, जाति धानका निवासी-155 सेद का मोहल्ला, वार्ड नं. 9 नीम का थाना, सीकर, राजस्थान।
मृतक राम सिंह.... की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 2.8.22
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम राम सिंह पुत्र स्व. श्री चौथमल, जाति धानका, निवासीयान-18, हरिनगर, सोफिया स्कूल केक सामने, घाटगेट बहार, जयपुर को उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 02 माह अगस्त सन् 2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। आज दिनांक 28 माह 05 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
प्रार्थीगण ने मृतक रामसिंह के प्रा. पत्र में वर्णित इंश्योरेंस की राशि बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।
मोहर अदालत
आज्ञा न्यायालय से
वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैंशन न्यायालय
जयपुर महानगर-प्रथम

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर विशिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम 2, जयपुर जिला जयपुर
जरनेल सिंह विरूद्ध अवतार सिंह उर्फ तारा
वाद बाबत वसूली
वाद सं. 169/सन् 2019
बनाम अवतार सिंह उर्फ तारा पुत्र स्व. श्री दौलत राम जाति... स्थान म.नं. 181, श्रेयो का रास्ता, जलेबी चौक, जयपुर .....ने आपके विरुद्ध .....के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 30 माह 06 सन् 2022 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 12 माह 05 सन् 22 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
अतिरिक्त वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम 2 जयपुर जिला, जयपुर

रोडवेज प्रबन्धन ने जीपीएफ के सदस्यों की ग्रेच्यूटी सीमा बढ़ी

जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के प्रबन्धन द्वारा जीपीएफ के सदस्यों की ग्रेच्युटी सीमा 1 अप्रेल से 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने के आदेश जारी किये गये है। अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक संदीप वर्मा द्वारा रोडवेज के अधिकारी व कर्मचारी जो जीपीएफ के सदस्य है, की सेवानिवृति पर भुगतान की जाने वाले ग्रेच्युटी की सीमा बढ़ाई है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

संसद में चर्चा किये बिना लायी गई अग्निपथ योजना को वापस ले केन्द्र सरकार : पायलट

- **'हमारे देश की सीमाओं की रक्षा करने में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले सैनिकों के परिवार, उनके बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हम नहीं होने देंगे'**
- **उन्होंने युवाओं से भी अपील की कि विरोध अपनी जगह है परन्तु किसी भी प्रकार की हिंसा का साथ ना दे, कानून का उल्लंघन ना करें और सरकारी सम्पत्ति को कोई नुकसान ना पहुंचाएं**

टोंक/जयपुर। प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार सत्ता के नशे में चूर होकर बिना संसद में चर्चा किये भारतीय सेना की भर्ती प्रक्रिया में परिवर्तन करके जो "अग्निपथ" योजना लेकर आयी है, उसे भी काले कृषि कानूनों की तरह वापस लेना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक अपने घर में चैन से तब सोता है, जब भारतीय सैनिक सरहद पर खड़ा होता है।

पायलट आज टोंक के दौरे पर रहे जहां केन्द्र सरकार द्वारा लायी गई युवा विरोधी "अग्निपथ" योजना के विरूद्ध अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आयोजित "सत्याग्रह" कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान, वीरता की गाथाएं समूचे विश्व में प्रसिद्ध है। देश-प्रदेश के लाखों परिवार फौज से जुड़े हुए हैं। फौज में नौकरी पैसा कमाने के लिए नहीं की जाती है। सेना में काम करना गर्व की बात है। जवान सेना में भर्ती होने के बाद जब फौज की वर्दी पहन लेता है तो उसे देश की रक्षा के लिए जहां भी भेजा जाता है, वह वहां खुशी-खुशी जाता है। क्योंकि उसे पता है कि यदि मातृभूमि की सेवा में उसे कुछ हो भी जायेगा तो भारत सरकार व भारतीय सेना उसके बच्चों, परिवार का पूरा ध्यान रखेगी, उन्हें पेंशन मिलेगी जिससे उसके परिवार का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

उन्होंने कहा कि बरसों से चली आ रही इस प्रक्रिया को बिना किसी से चर्चा किये भाजपा सरकार ने बंद करके अग्निपथ योजना लेकर आयी है जिसमें युवाओं को चार साल तक नौकरी दी जायेगी और 22-23 वर्ष की उम्र में रिटार्यड कर दिया जायेगा। इस कम अन्तराल में फौजी में देश की प्रति समर्पण व त्याग की भावना कैसे आयेगी, देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने की भावना का विकास कैसे होगा? उन्होंने कहा कि भारत की फौज की पहचान "नाम, नमक और निशान" है। भारत का सैनिक किसी पार्टी, किसी दल या किसी सरकार का नहीं है। बल्कि वो हमारी मातृभूमि का सैनिक है, इस देश की मिट्टी का सैनिक है। उसके मनोबल को हमें गिरने नही देना है। हमें चिंता इस बात की है कि फौज में अब पहले की भांति भर्तियां बद हो गयी है। अब नयी भर्तियां इस अग्निपथ योजना के माध्यम से होगी वो भी सिर्फ चार साल के लिए। चार साल बाद इनमें से 75 प्रतिशत को निकाल दिया जायेगा मात्र 25 प्रतिशत को ही रखा जायेगा। सरकार दावा कर रही है कि निकाले गये 75 प्रतिशत युवाओं को अर्द्ध सैनिक बल, पुलिस आदि में नौकरियां दी जायेगी। आज सेना में एक लाख से अधिक पद पहले से ही खाली पड़े है, उन्हें तो अभी तक भरा नहीं गया है। आगे किसी प्रकार नौकरियां दी जायेगी इसे सरकार स्पष्ट करें।

उन्होंने कहा कि चाहे हमारी विचारधारा एक ना हो परन्तु हमारे देश की सेना व उसके सैनिकों के कल्याण, उसके आधुनिकीकरण के लिए हम सदैव तैयार है, एकमत है। हमारे देश की सीमाओं की रक्षा करने में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले सैनिकों के परिवार, उनके बच्चों भविष्य के साथ खिलवाड हम नहीं होने देंगे। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से भी अपील की कि विरोध अपनी जगह है परन्तु किसी भी प्रकार की हिंसा का साथ ना दे, कानून का उल्लंघन ना करें और सरकारी सम्पत्ति को कोई नुकसान ना पहुंचायें। हिंसा करना, कानून का उल्लंघन करना किसी भी समस्या का समाधान नहीं है।